इनपुट लागत वृद्धि से निपटने की तैयारी

अक्षरा श्रीवास्तव
नई दिल्ली, 3 मार्च

उपभोक्ता सामान आपूर्ति करने वाली एफएमसीजी कंपनियां पश्चिम एशिया में जंग के हालात पर नजर बनाए हुए हैं। होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने और कच्चे तेल की कीमतों पर प्रभाव के साथ ये कंपनियां इनपुट लागत में वृद्धि से निपटने की तैयारी में जुटी हैं।

पारले प्रोडक्ट्स के उपाध्यक्ष मयंक शाह ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया, 'प्रभावित होने वाली दो प्रमुख चीजें पैकिंग सामग्री और शुल्क हैं। कच्चे तेल की कीमतें पहले ही बढ़ चुकी हैं। इससे हमारी इनपुट लागत प्रभावित होगी। यदि कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जाता है, तो कीमतों में वृद्धि रोकना मुश्किल हो जाएगा। हम स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।' इंडिया गेट बासमती चावल बनाने वाली केआरबीएल ने कहा कि जंग के कारण वैश्विक कृषि व्यापार की गतिशीलता प्रभावित हो रही है। कंपनी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है।

बल्क एक्सपोर्ट के प्रमुख अक्षय गुप्ता ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया, 'खाड़ी क्षेत्र भारतीय बासमती व्यापार की आधारशिला रहा है। कुल मिलाकर भारत अपने बासमती का 70 प्रतिशत पश्चिमी एशिया और फारस की खाड़ी को निर्यात करता है। हम अपने क्षेत्रीय

एफएमसीजी उद्योग स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है

भागीदारों और अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं।'

दावत ब्रांडेड बासमती चावल बेचने वाली एलटी फूड्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अश्विनी अरोड़ा ने कहा, 'जिन कंपनियों का अमेरिका और यूरोप जाने वाला माल पश्चिमी एशिया गलियारे से होकर नहीं गुजरता है, उन पर अधिक असर पड़ने की संभावना नहीं है, लेकिन पश्चिमी एशिया बाजार में सक्रिय कंपनियों को भाड़ा दरों और रसद लागत पर दिक्कत पेश आ सकती है।'

अरोड़ा ने कहा, 'एफएमसीजी उद्योग स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और संभावित परिचालन या लागत संबंधी प्रभाव को कम करने के लिए सक्रिय रूप से आपूर्ति श्रृंखला रणनीति में बदलाव कर रहा है।'